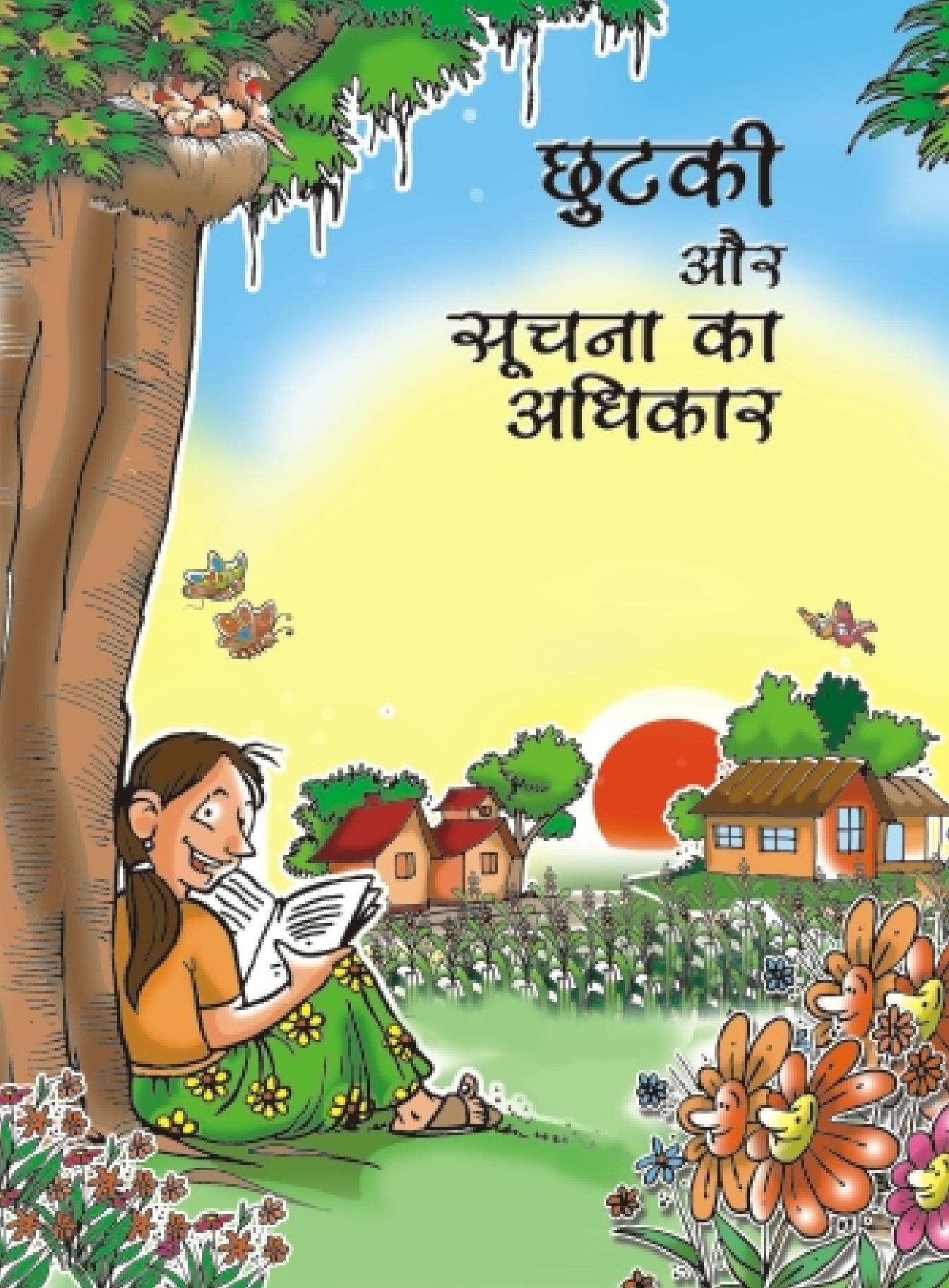


छुटकी और झूचना का अधिकाव



सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक : समर्थन-सेंटर फॉर डेवलपमेन्ट सोर्ट, भोपाल

प्रकाशन वर्ष : 2008

प्रथम संस्करण : 3000 प्रतियाँ

उचित स्वीकृति से सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है।

चित्रांकन एवं मुद्रण : एम.एस.पी. ऑफसेट, भोपाल

छुटकी - समर्थन की परिकल्पना है।

यह प्रकाशन फोर्ड फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से किया गया है।



यह छुटकी है..

इनके छोटे भाई कर्मा का नाम
किसनगढ़ है...छुटकी बहुत लोकियान और
चतुर है वह अपनी कक्षा में अव्वल आती
है और उसे आनंदपात्र की कई
जानकारियाँ हैं, कि कौन आ काम करने
किया जाता है..आज छुटकी ठमें भूखना के
अधिकान के बारे में बताएगी..इनके तरह
आम आदमी किसी भी अवकाशी विभाग
में जानकारी मांग सकता है
बाकी आगे देखें....







काका.. खुटकी तो पहला अहं है...
कोई जानकारी नहीं मिलती आज
के जमावे में...

बहन हूँ कक्ष, मूँहे
तो खुटकी से क्या क्या
जानकारी माँग
सकते हैं,
बता खुटकी

इन कानून के लायक ने
उस अपहे पाहड़ और सासाज
ने मूँही नाथी जानकारी
अपही पाहाता, इजावाली देता,
जबकि बिजाम, जबकि यात्रिक
राजा की दुखता न दिनहीं भी
शिक्षा की मौजा सकते हैं



अने खुटकी दिलाकौर
जानकारी न दे गए?/
शासन की जानकारी तो
वोपनीय होती है?

मुझ जानकारी को
को छाड़ कर कोई भी
जानकारी औपनीय
बदली है.

लोकेज खुटकी..
जानकारी देता
कौज... और
मिलेगी कैसे?

मौर्त्त जब हूँ जानकारी
लाकर दिलाए...





अब तो आप लोग दूसरे जर्दी मालिये कहाँ ठीक है
तो हम नव लोग कल तहसील कार्यालय बलां हैं
जहाँ पह में आपके कामों आदेश करने वाली और
आप लोग देखना कि जानकारी
कैसे ली जाती है...



दे ठीक नहेगा जा काज़...
कल हम घलकन हेतु ही लौटे हैं
झुंधना के अधिकार की बात ...

जर्दी लोग सुटकी
के काज तहसील
कार्यालय पहुंचते हैं...

तहसील
कार्यालय





तहसील कार्यालय पर्यावरण भारी लोडों के
नामने कूटकी ने आवेदन तैयार किया

अब आप सब लोगों
द्वारा आवेदन किसे तैयार
करते हैं?

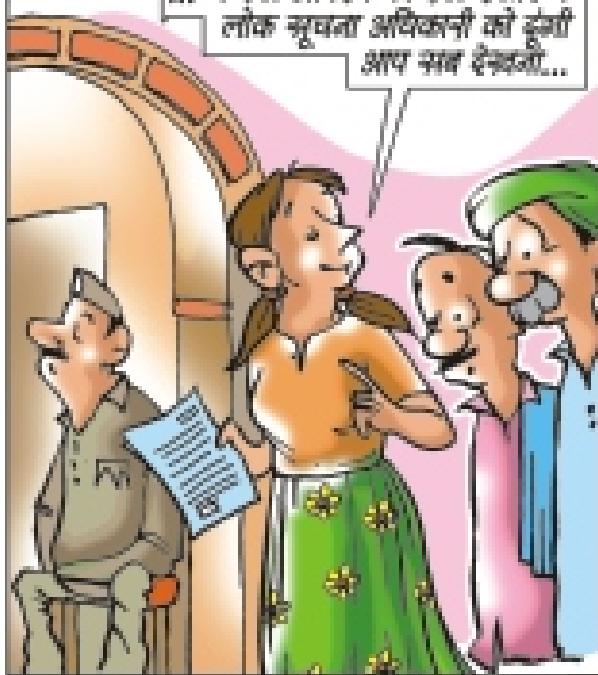
मुट्ठकी बिट्ठा, जब आवेदन
कैसे और किसे करें..?



आप सब लोगों मेंने साथ चलते...
मैं इस आवेदन की इस सफायत के
लोक कूवता अधिकारी को द्वारा
आप सब हैंडबॉर्डी...

तहसील कार्यालय में...

अने, अने बहु बाजार कर्ता युनी छली
आ रही है, वह बर्मिला रही है,
जात्य का दफान है,







मार्गी शूक्रवर्षाल जी के कमरे में जाते हैं

क्या नम
अंदर आ
जाते हैं।

कौन है
आप लोग..?

हम लोग
किनारवर्ष
की आहे हैं...



क्या करते हैं ?

मैं सूचना के अधिकार के
लिए अधिकार देखने जानकारी
लेता बाहरी हूँ-

अच्छा तो आप लौटा सूचना
के अधिकार के लिए जानकारी
मांगते आए हैं, किनारे भड़काया
है तुम लोगों को..?





अनेकों ने भड़काया है तभी
खांसिए... सूचना के अधिकार का
कानून भी तो उन्हीं ने बताया है

वहाँ तभी तुम्हारा आधेद्वर न हो तो..?



आप मेंना आधेद्वर जल्दी होते तो
उस आपके ख्यालों और आधेद्वर जल्दी
लोजे की प्रियाधर्म नहीं सूचना आयोग
के कानूनिकों को करेंगे...

कूट्यांकी के तौरपर देश अधिकारी जहजा,
और आधेद्वर लाल भी हैं

क्या जानकारी
जाहिर.. आप लोगों
को..?





जब हम अपने मौलिकों के जुड़वीं लाभकारिकों वालों हैं जो कि आवेदन में शिन्ह दी हैं

आवेदन की दृष्टिकोण अधिकारी बोला...

आवेदन मूल्क के लिए स्ट्राइप बदली लगाया है

मैं जकह आवेदन मूल्क लाई हूँ



अच्छा तो जकह दी है ही...
और जानकारी आपको एक
सभी तो मैं आवेदन में दिए चाहे
यह भेज दी जाएगी...

अमे वह लड़की तो बड़ी तेज है...



अने छीतीशन...
नज़रीद कहुए और अगल
कर्त नक्षी है तुले...
लाकन है...



आधिकारी छान्त लवियान डालते
और मुट्ठी की जीत को देखकर
जर्जरी सूचा दुः औन औडे तज कर
उठाए दी गई...



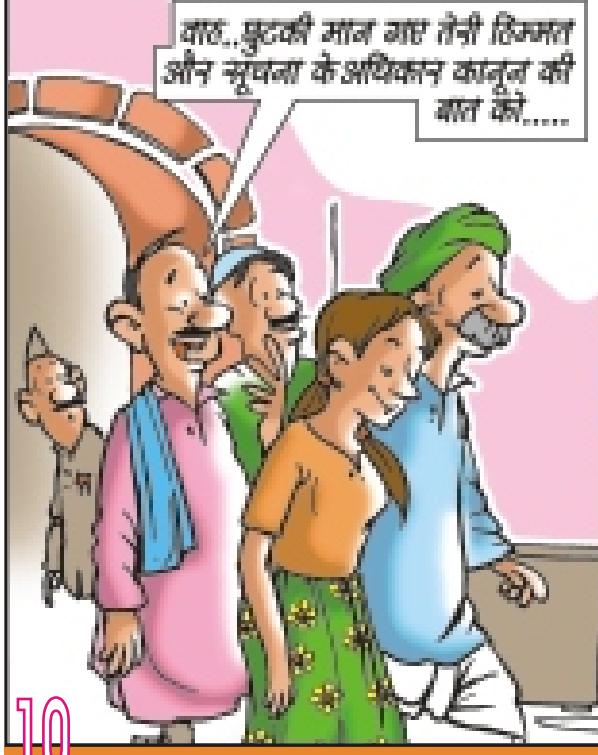
आवेदन की प्रयत्नी औन प्राप्तक का नसीब
लैकम यामी लायपा किंवितमह बले अप



वाह..मुट्ठी माब गाए तैनी हिम्मत
औन सूचका के आधिकारी कानून की
कात को....

आधिकारी को मजबूत
कर दिया उमानी
मुट्ठी दे...
वाह मुट्ठी...

काका, जेवी नहीं
यह कानून की
ताका है





जाता, इस कानून के द्वारा जनकान ले जानकानी गंवानी
विनोदित छन्द के लिए विधायिका अधिकार बताता है
जिसे अब कन उमा दिवाज के दरवार में जान कन
जानकानी मांझ जाको है... करने नहाए कामज पन
औ लिखानम है जाको है



लोकिज फुटकी लहि
अधिकार लेकन लोक
सूचना अधिकानी
जीवजानी न दे तब
तम तक कन
जाको है?

तब तम द्वारा
अपीलीय अधिकानी
को अपील कनेजो.

अपीलीय
अधिकानी
को जे उप
लिखत किया है तो जानकानी ज सिं
जाने पन कार्याती कन जाको है





हमें आवेदन होआ
की लोक सूचना
आधिकारी
जावजानी जर्ती
है नहीं है...?

उसने यह प्रश्नती लौटी है
परिषद पर आवेदन समाप्ति
तानीक्षण और जील लगी है
आज की 30 दिनों के अंदर
जावजानी उन दिनों में कैसी
होती है। 30 दिनों में जावजानी
न होने पर आपील कर
सकते हैं...

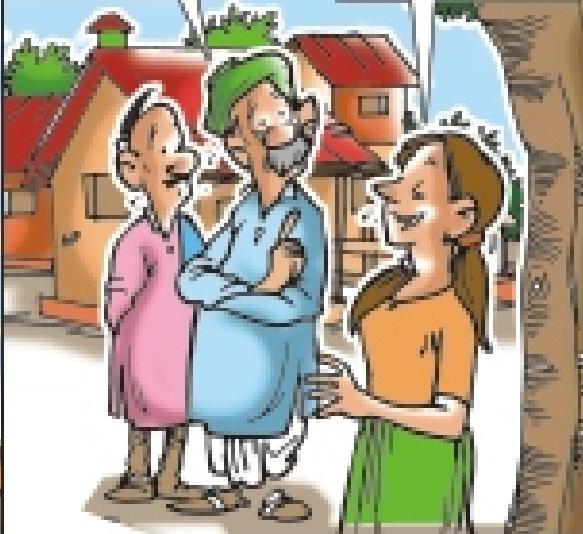
बुटकी, तैरी बात तो नहीं आ गई कि
30 दिनों में जावजानी नहीं मिलती तो उस
आपील कर सकते हैं लेकिन आपील करने
की भी जावजानी नहीं मिलती
तो क्या करें...?



नहीं होता, तब हम सूचनी आपील नहीं
सूचना आयोज के कानिकलन व टेलर के
सामने में कैसी असूचना आयोज के
कानिकलन के पास आपील करने के

बुटकी शिटिया, तब
आवेदन करने और आपील
करने व शिकायत
करने में भी कोई
स्वर्ण नहीं क्या...?

काका इन कानून में
आवेदन करने और आपील
करने की पीछा करती
गई है शिकायत का
कोई मुल्क नहीं है,







जैसे अर्देहन व अर्दीलीय
मुल्क अनेकों नेता के गीवे
के प्रविष्टि के लिये माफ है
वैसे ही उच्च पदभार पैद तक
फोटोकापी के लिए ऐसा नहीं
कहा जाए लेकिंज अब
सोचों जो योग्य ही
हाएंगों...

कुटकी सिंहिया
किसाना मुल्क
लिया जाएगा ?

बदन जैसा, विभाजन जब लोकोंनी
सरकार परिवर्तन को देखा तो
फोटोकापी का दो क्याह प्राप्ति घेल
लिया जाएगा...



अज्ञान कोई व्यक्ति
जागतकों का विनीतण
करना चाहे तो भी
इसका ही मुल्क
कहा जाएगा

जल्दी करका.. कर्जत में
फाइल का विनीतण
सर्व लोकों लोगों के
लिए अलग मुल्क
विद्युतित है.

तो क्या कह
बहुत अधिक है
और सरकारों हेता
गोता है कुटकी
सिंहिया.. ?

नहीं कहा अधिक नहीं है
आपको सेवकाम के विभार्द
का विनीतण करने के लिए
विद्युतित मुल्क देता होता..





मुट्ठी किटिया बढ़ि किसी
जातकानी का जम्मा लेता हो तो
क्या कलमा सोला..?

यहां जैव... अबन विनी
जामदारी का जम्मा लेता हो तो
उनकी वाकायीक जागत देखा
होगी...

मुट्ठी किटिया बढ़ते गाताओं
के दूनकी अपील करते
करते..?

काका, यहि विभाजा का प्रथम अपीलीय अधिकानी अपील
करते के ३० हित बाह मौजाकानी लड़ी होता, तब उस
दूनकी अपील नल्य नूचजा आयोग कर्माण्डन को
कर लाकर हैं



मेरे घर में एक सवाल आ रहा है कि
अग्रन विभाजन के अधिकारी, जूबना के
अधिकारी के तरत आयोग द्वारा बन ले
तो उत्तर कोई क्या करने ले जाए..?

वही जावसे बड़ी
सिफारिश है...



प्रभास वाला_इस क्षेत्र के तरत अग्रन कोई अधिकारी आयोग
नहीं होता, या जागरकारी जानवरों का जली क्षेत्र... या असुरी
जागरकारी क्षेत्र है और वह प्रभासित हो जाता है तब क्षेत्रवाच
नामिति अधिकारी को दण्ड हो जाती है अधिकारीम 25000 रु
तक का नुस्खा हो जाता है...

लं, कुछ अधिकारियों
पर नुस्खा भी हुआ है...



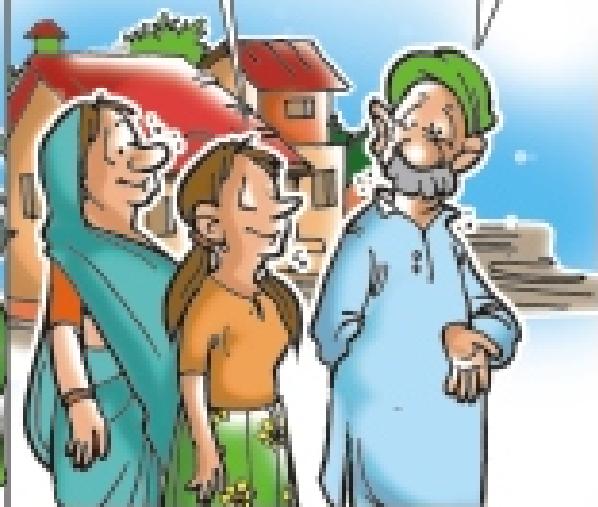


नुझी तो अरोजा तली दीजा
जब छुट्टकी के द्वारा लगाए आवेदन
पर जिज्ञासा पूछा गया...

नस्ती करा,
परहन नुहे...

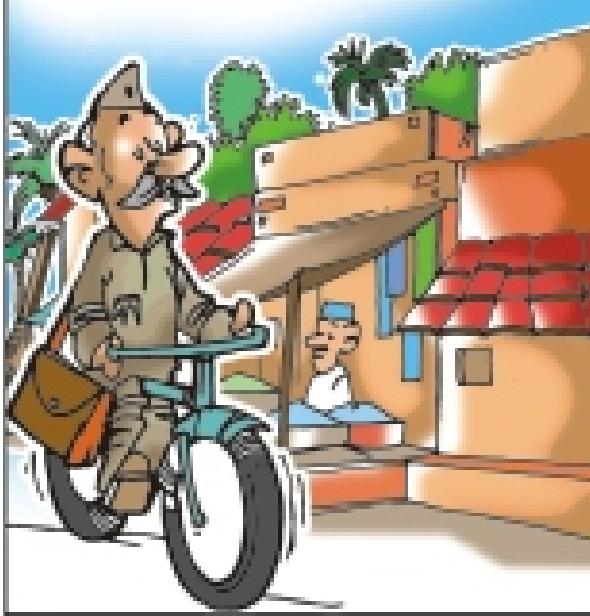
मझे पूजा भरोजा है कि
तेजील कार्रालय जौं तीज हिं
के भीतर जाबकरी पहुँचाया

देखते हैं,
खिला



अैन 15 हिं बाह ठाकिया गांव में आया....

जो छुट्टकी खिला है लो
तुमसीने खिटायी, औन याकती है छो.





किनकी चिट्ठी
मेरुदंगी लिए

काका, तहसील कार्यालय में
जी आवैन लज्जा भा उनकी
जावकामी 15 पैस की है और
उनकी फोटोकापी लेने के लिए
30 कपड़े लज्जा कम्ला होगा

अब क्या करेंगे
मुरुदंगी लिए

लाजा, हमें तहसील अधिकारी
मेरुदंग कुलक लज्जा कम्ला
होगा, तब जावकामी लिए

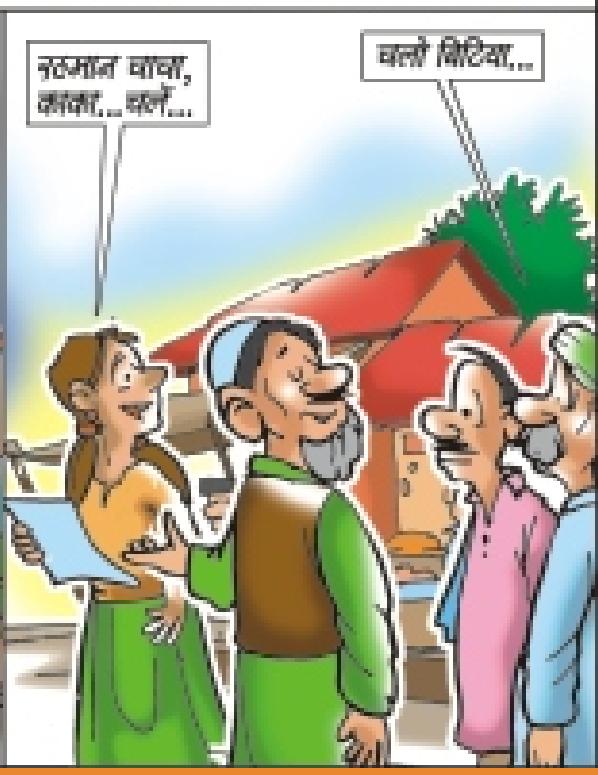


तो ठीक है कल तम तहसील कार्यालय
में बलकन कुलक लज्जा करेंगे और
जावकामी लेंगे...

ठीक है लिए...

नहमान लाजा,
काका, कल...

बलो लिए...





लो तहसील कार्यालय आ गए...
बैठन लकड़ केस कर बता औद्दन सुवाला
आधिकारी बैठे हैं जाएं...?

जाँ काफर... जाँ दन
जाएं बैठे हैं...

तहसील
कार्यालय

मलौ पहले मुलक जमा
यान हैं किन जानवरों ले...,

जाँकर... जाँकर...
जाँ अद्दन बैठे हैं...



बहुती जल्दी आ गए अपने लोगों,
कल तो तो पत्र भेजा था... लज्जता है आप
लोग दूसिया बदलावों विषय में ले... देखो
क्योंकि कुर्सी ताले भी जानकारी छी नहीं हैं, उन्हीं
मुख्य लोकों की जानकारी दो भइ...
जाओ जानकारी ले लो...

वह अधिकारी ठज्जसे बिलास ललता
बदलावों को ले लो था...



लों काका बड़ा छी कैसा था... मैंना
तो सत कर रहा था कि कौनसा भा
व लाभ है हूँ, कि क्योंकि पराजये जाने का
जानकारी जरूरी नहीं आवश्यक हो?

लों नहमान भाइ...
बास्तव में तो
मुझे भी आ
नहा था

केवो तो भला जिन्हा लज्जता
के ऐचों ने सबकाम बदलती
है उक्सी जो उभा बदलाव...





मुख्यी ने कहा...
जानकारी की किसी

विहिया, इनमें से लिखा है कि
बाप्त में मुआवजा 25 लोगों
को मिला है जबकि केवल 4
लोगों को ही मिला है...



अब यहाँ से आपजे गौतमों कर्म...
पिछे कहीं पढ़ कर सेवनों के
जानकारी में क्या लिखा है...

पूरी जानकारी पढ़ने का बाहर...

लगाता है कि उच्च अधिकारी जो हमें
मुआवजे की पूरी जानकारी नहीं दी... और
लद्धी कर्त्तव्य के लभीन के बताने की
जानकारी भी नहीं है



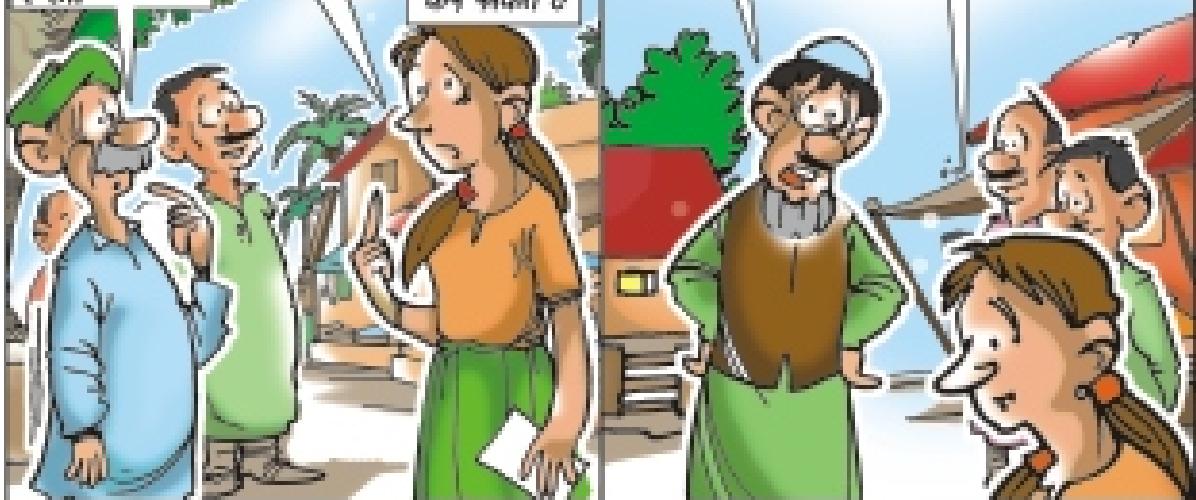


उम नवा कर्मो
मुटकी लिएरा...? उम
अधिकारी जे तो उमे
बला जावकारी
है दी...

मैंने कहा था कि
बला जावकारी हैने यम
उम उम अधिकारी के
नियताफ पहली अपील या
कमिशन को शिकायत भी
कर मारते हैं

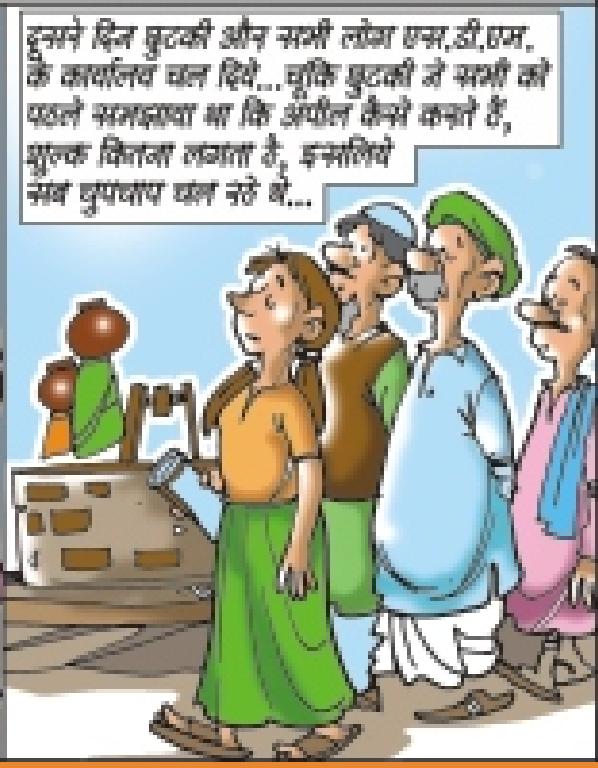
तो क्या उम
उमके नियताफ
अपील में
जाएंदौ...?

उम अपील भी करेंगे...
और कमिशन को
शिकायत भी करेंगे...



ठीक है लिएरा...
उमे अपील जरूर
करना चाहिए
क्यों भाईयों!

हृनारे दिन मुटकी और नभी लोग छन्दोंहम,
के कालिय घल दिये... लुकि मुटकी ने नभी को
पहले बलाकारा था कि अपील कैसे करते हैं,
झुलक लिए लड़ता है, इनलिये
जब दुष्कारण घल रहे थे...







अपीलर अधिकारी ने लोगों की मुस्तकों में देख कर

आप बड़ते
बड़ा हो और
जानकारी
मालौदी भी ?

उस लोक सूचित अधिकारी
के छाप परी जानकारी न होने
वाला याजकारी
मालौदी है। आप अपील
ले लें....

अपीलर अधिकारी अधिकारी अपील व्यक्त करा,

आप लोग यह अपील न करें मैं योजना
करके उस अधिकारी को बोल दिए हूं
वह आपको जानकारी दे देता और
गांव के लोगों किसानों को
मुआयता भी दिलाया
करता हूं



हमें आपकी मेहनतों की लोटी धारिये।
आप तो हमारी अपील हो लें और हमें
मालौदी और पूरी जानकारी दिलायाएं की कृपा करें।

कार्यालय ने बाहर जिक्रकरन

आज कूटकी की हिमात और
दिलोंमें देवकन में जो भीना
बीझ ठी बढ़ा....





तीस दिन सूखने लाले के बाद वैष्णव पर गर्व करने लगे ...

प्रियेश, अपीलीय
अधिकारी की तरफ
मो तो कोई वयाव
नहीं आया, आ
क्षमा करनेवा तर्स....

काका... इसमें विभाषा
लीने की ज़रूरत नहीं है
अब उम कल दी दूसरी
अपील सूखदा अधिकारी
कालिय में लगायेंगे।

इतना आजाज नहीं है जानकारी
मिलता। इसमें तो बहुत समय
पकड़ा ली बजे है।



कोनेश्वर, अधिकारी इतनी ही आजाजी औं
जानकारी दें, तो कृष्ण कालिय लाले की ज़रूरत
ही क्षमा भी इसलिये मैं डिस्ट्रिक्ट नहीं लकड़ी
ओंन कल दी दूसरी अपील करवेंगे।

ठां सुखकी जली कर नहीं है।
उम कल दी दूसरी अपील
करेंगे।

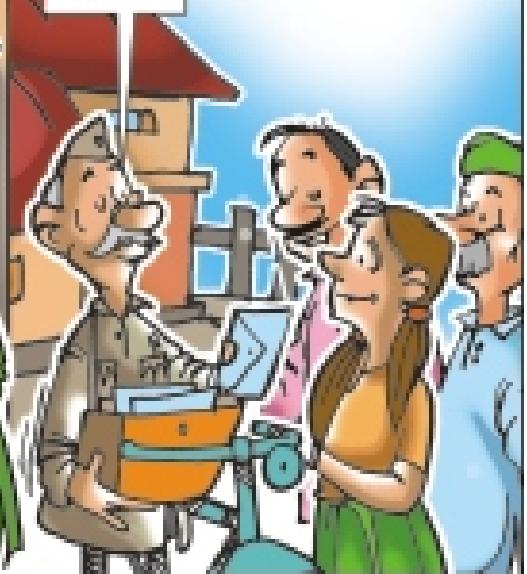
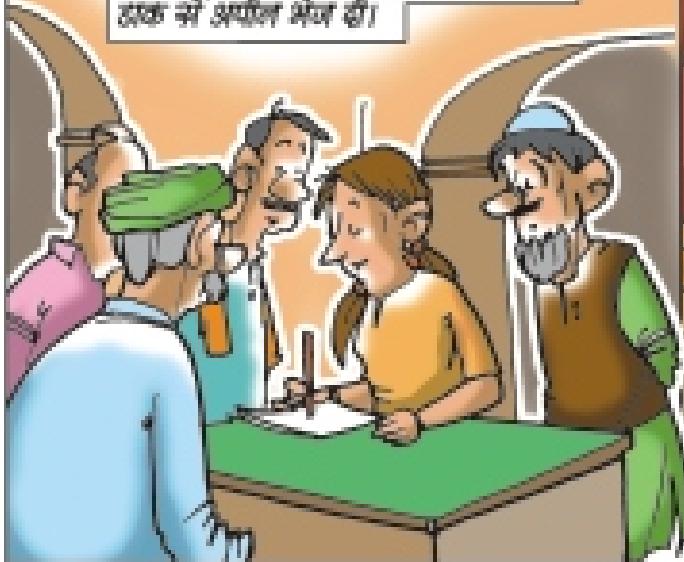




दूजने दिन मुटकी ने सबके बीच मैट्रिकन
दूसरी अपील तैयार की और मुफ्त के
काम में जल लूडिंग काल कटाई लगाकर
माला मुखला आवोंज के कलिश्वर को
ठाक भी अपील भेज दी।

तृतीय दिनों तक...

लो... मुटकी गुम्फाता पर, नाल्य मुखला
आवोंज के कलिश्वर के दलों ने आका
है...



विटिया जानकी
और एककन
नो मुला
मना लिखा
है।

कलिश्वर काठव ले कर है
सोंबंधी अधिकारीनियों द्वारा जापाकारी
वही देने पर पांच लोगों का बुरायाँ
किया है और लिखा है कि आपको
पांच दिनों में वही बर्द लाजकारी
मिल लायेगी।

कालो मुजाकन कायर की बुझी
का टिकाना न रहा और उन्होंने
मुटकी को माले लगा लिया...





सौनार पर जल्दी भासा किए तुमे जार्ज़ अब नहीं से

देखो कोई
जार्ज़ आ नहीं है,

तां कक्का
जार्ज़ तो आ
नहीं है.....

बोटी ही देन बाह - यहां में जार्ज़ कृष्णी और उसमें को
उपर्युक्त वार्षिक के बड़ी लोक जूनियर अधिकारी
विजयो पहले आखेह दिला था उसे

कृष्णी जी
का धन कहा है।



पहुंचना नहीं बह
तम आएंगो
जागरूकनी
होले आये थे।

हाँ, यह मैं कही जागरूकनी होले
आया हूँ। आप लोगों जे मेरी
शिक्षणी ज्ञान तक कह की
मेना बड़ा नुकनाब ले गया।

अपने कहने वाली
आपजे जी जागरूकनी
मांजी थी मैं वह
आपको होले आया हूँ।

आपजे तो नमे
पहले अक्षरी
जागरूकनी
ही थी।





वह लोगोंने हेतु में उसने अताही लो अहं वही
लोगों के लो के मुख्यतः नवीकृत
जही तुम्हे वे वह नुसाकरे इन्हीं भवात् मध्येष्वा
ही जार्थी और तथाँ काही की लभीं वा
दंयात् भी कन दिल जासेवा, उसके दिले
अडिन उन दिले लाहे हैं चिमाही काहीं मैं जाह
ही लोकन आया हूँ।

ऐसा ज लो कि
वे आपही शोषण
ही वह लावे। अब
उम थोड़ी कुर्हा लाले
ही जान लाए हैं
कादूल की बात..

जही, पुनाही बाले भूल
जाओ वा काफा, नवी
के मुख्यतः इन्हीं
भवात् भी जित
जाएंगे।



इन्हा भूल कन काफा, याज्ञाव वाला और याव के भावी लोगों की मुझी का दिलाजा ज कल और भावी जे मुख्यी की
सभी भै उस दिला और छाक जाख कल, बैठी हो तो हैमी। इन तरह कुटकी जे दिलावाह के भावी लोगों की
सूखदत के अधिकार भी ताका का छाल कनावा और
कालून की ताका दिलावान कमाल कन दिला.....



आर्थिक विकास

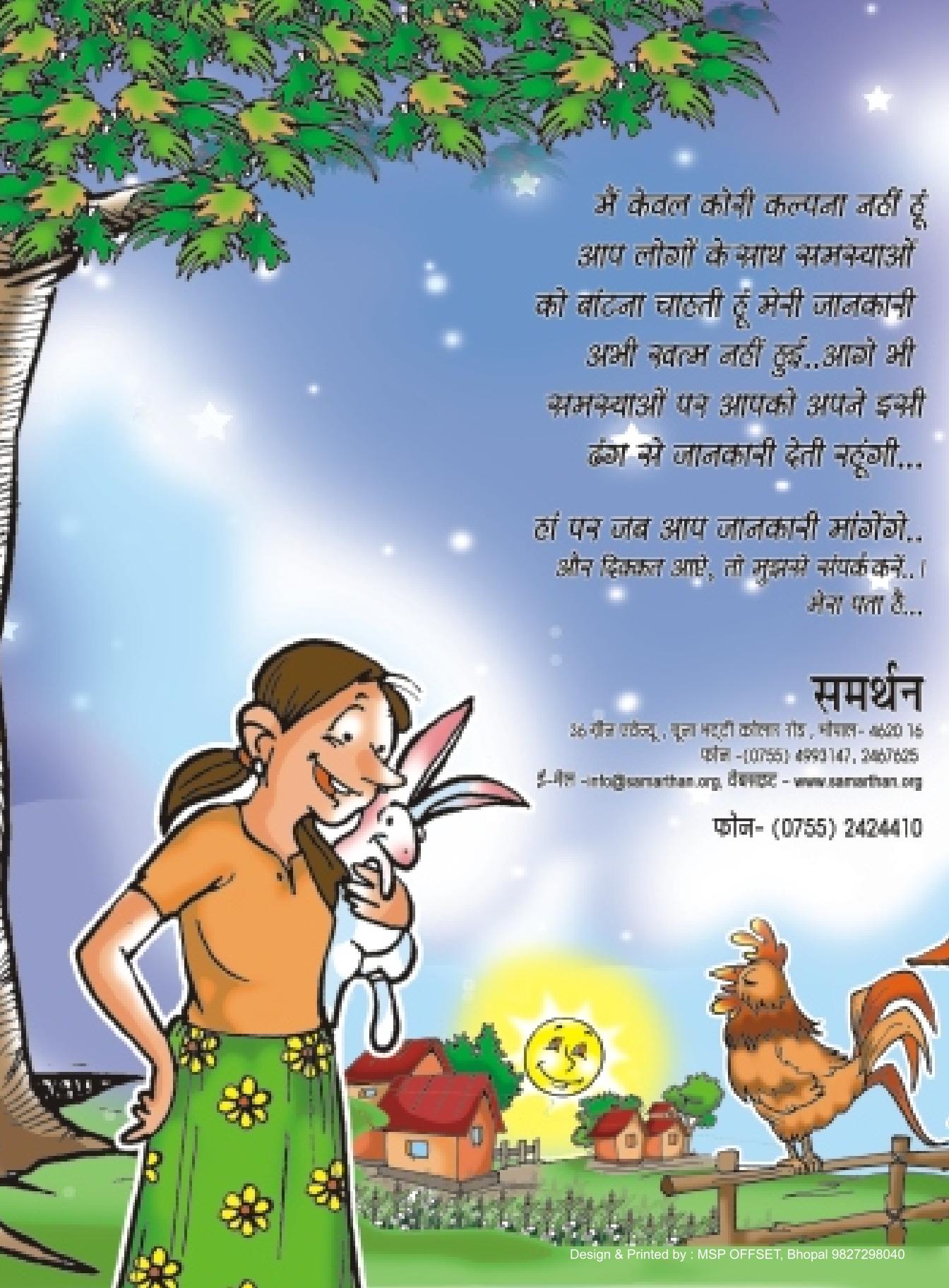
हमारे बारे में.....

समर्थन एक स्वैच्छिक व गैर सरकारी संगठन है जो मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में स्वैच्छिक प्रयासों के लिए सहयोगी संस्था के रूप में कार्यरत है। यह संगठन प्रशिक्षण, सूचनाओं तथा जानकारियों का आदान प्रदान, शोध एवं विचार विमर्श के माध्यम से स्वैच्छिक संस्थाओं, समुदाय व सरकार के बीच समन्वय स्थापित करता है।

वर्तमान में समर्थन स्थानीय स्तर पर स्वशासन एवं पंचायती राज व ग्राम स्वराज व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए ग्राम सभाओं को प्रभावी बनाने तथा सूचना के अधिकार के क्रियान्वयन के लिए प्रयासरत है। हमारा लक्ष्य है कि जागरूक ग्राम सभाएं सक्रिय पंचायतों का गठन करें, जो अपने क्षेत्र के विकास में नए उदाहरण प्रस्तुत कर सकें।

इसी संदर्भ में संस्था ने एक नया प्रयोग करने का प्रयास किया है, जिसमें 'सूचना के अधिकार' के क्रियान्वयन को लेकर एक सरल रूप में 'कॉमिक्स' का निर्माण किया है, जिसमें 'सूचना के अधिकार' जैसे कठिन विषय को सभी के लिये रोचक ढंग से समझाने का प्रयास किया है?





मैं केवल कोवी कल्पना जर्ही हूं
आप लोगों के साथ समझाओं
को बढ़ाना चाहती हूं मैंनी जानकारी
अभी बदल गर्ही हुई.. आगे भी
समझाओं पर आपको अपने इसी
बंग ने जानकारी देती रहनगी...

लों पर जब आप जानकारी माँगोंगो..
ओंक दिक्षित आहे, तो मुझसे जायकंकवे..।
मैंना फला है..

समर्थन

१६ गोड एंटेन्स, दूला बाड़ी कोलाह रोड, भोपाल - 4620 16

फोन - (०७५५) ४९९३१४७, २४६७६२५

E-मेल - info@samarthan.org, वेबसाइट - www.samarthan.org

फोन- (०७५५) २४२४४११०

